भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1407
(उत्तर देने की तारीख 31.07.2025)

सीएसआईआर की दक्षता और जवाबदेही में सुधार के लिए कानून

1407. डा. अजित माधवराव गोपछड़े:

क्या ***विज्ञान और प्रौद्योगिकी*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की कार्यकुशलता और जवाबदेही में और अधिक सुधार लाने के लिए कोई कानून लागू करने का विचार है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने दक्षिण कोरियाई सरकार द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने, क्षेत्र का आधुनिकीकरण करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाए गए कानून की जांच के लिए प्रस्तुत अभ्यावेदन का संज्ञान लिया है, यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या सरकार ने सभी सीएसआईआर केंद्रों द्वारा किए गए अनुसंधान से प्राप्त परिणामों को मापने के लिए कोई बाह्य मूल्यांकन शुरू किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

(डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) एवं(ख) वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, क्षेत्रीय आधुनिकीकरण तथा आर्थिक विकास हेतु राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए सुझाव प्राप्त हो रहे हैं।

भारत के सबसे बड़े अनुसंधान संगठनों में से एक वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) भारत में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसटीआई) को आगे बढ़ाने में केंद्रीय भूमिका का निर्वहन करता है । प्रयोगशालाओं के अपने व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाते हुए सीएसआईआर कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी अंतराक्षेप प्रदान कर रहा है और इस प्रकार आर्थिक विकास के संवर्धन हेतु राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा दे रहा है । उद्योग के लिए प्रौद्योगिकी प्रदाता की भूमिका निभाते हुए सीएसआईआर ने उद्यमिता को बढ़ावा देने की दृष्टि से वांछित तंत्रों को भी क्रियान्वित किया है जिससे क्रांतिकारी और सारगर्भित नवाचारों के सृजन एवं वाणिज्यीकरण को प्रोत्साहन मिल सकता है जिसके फलस्वरूप नए आर्थिक क्षेत्रों के विकास को

बल मिलेगा।

सीएसआईआर अपनी अनुसंधान और नवाचार क्षमताओं को बढ़ाने और वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय प्रगति को मज़बूत करने के लिए सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं को अपनाने हेतु अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में भी सक्रिय रूप से शामिल रहा है। सीएसआईआर के कुछ वैश्विक साझेदारों में नेशनल रिसर्च काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एनएसटी), रिपब्लिक ऑफ कोरिया (आरओके); नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज़ ऑफ बेलारूस, बेलारूस; सीएनआरएस, फ्रांस; मेडिसिन्स फॉर मलेरिया वेंचर, स्विट्जरलैंड; नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ इंवायरमेंटल साइंसेज़ (एनआईईएचएस), अमेरिका; फ्राउनहॉफर-गेसेलशाफ्ट (एफएचजी-FhG), जर्मनी आदि शामिल हैं। इन सहयोगों के माध्यम से सीएसआईआर ने उच्च-तकनीकी अनुसंधान एवं विकास तथा नवाचार पारिस्थितिकी तंत्रों में भागीदार देशों की विशेषज्ञता की जानकारी प्राप्त की है, जिससे प्रौद्योगिकी वाणिज्यीकरण और उद्योग-अकादमिक संबंधों में सर्वोत्तम प्रथाओं का एकीकरण हुआ है । ये सहयोग न केवल सीएसआईआर के अनुसंधान परिणामों को सुदृढ़ करते हैं बल्कि सीएसआईआर को अपनी कार्यप्रणाली को परिष्कृत करने, वैश्विक मानकों के अनुरूप नवाचार को गति देने और वैश्विक मानकों के अनुरूप राष्ट्रीय चुनौतियों का समाधान करने की अपनी क्षमता को बढ़ाने में भी सक्षम बनाते हैं।

(ग) सीएसआईआर प्रयोगशाला स्तर के साथ-साथ केंद्रीय स्तर पर नियमित समीक्षाओं के माध्यम से अपने घटकों के निष्पादन का आकलन करता रहा है। अनुसंधान एवं विकास क्षेत्रों का विस्तार, मध्यावधि सुधार, साथ ही समकालीन एवं भावी प्रासंगिकता को देखते हुए कुछ गतिविधियों को बंद करना, मूल्यांकन के महत्वपूर्ण तत्व हैं । सारस्वत समिति द्वारा वर्ष 2016 में "सीएसआईआर योजनाओं की परिणाम समीक्षा" की गई थी। सीएसआईआर ने उद्योग और अन्य पणधारियों के साथ मजबूत एवं सार्थक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए विजयराघवन समिति की सिफारिशों पर भी विचार किया है। इसके अतिरिक्त, सीएसआईआर की गतिविधियों का मूल्यांकन सीएसआईआर के निष्पादन मूल्यांकन बोर्ड (पीएबी), सीएसआईआर सलाहकार बोर्ड और भारत के माननीय प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में सीएसआईआर सोसाइटी द्वारा भी किया जाता है।

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीय आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सीएसआईआर ने परिषद व उसके घटकों के बेहतर प्रदर्शन को सुगम बनाने हेतु मौजूदा प्रावधानों को सुदृढ़ करने की दृष्टि से एक विवेकपूर्ण दृष्टिकोण अपनाया है। इस दिशा में वर्ष 2021 में सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान (सीएसआईआर-एनआईएससीएआईआर) और राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान (सीएसआईआर-एनआईएसटीएडीएस) नामक प्रयोगशालाओं का विलय सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर) नामक एक इकाई में किया गया था । सीएसआईआर ने सामाजिक और रणनीतिक महत्व की राष्ट्रीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डेटा विज्ञान, मशीन लर्निंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी उन्नत डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उभरते महत्व को ध्यान में रखते हुए अपनी एक इकाई, सीएसआईआर-फोर्थ पैराडाइम इंस्टीट्यूट (सीएसआईआर-4पीआई) को वर्ष 2024 में राष्ट्रीय प्रयोगशाला का दर्जा दिया है।

******